[This question paper contains 03 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 03 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019
हि.प्र.प्र.से. आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Sanskrit-II / संस्कृत-II

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 100
अनुगत समय: 3 घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ हैं।
2. Attempt only *five* questions. Candidates are required to attempt at least *one* question from each of the section in addition to question Nos.4 and 5 which are compulsory.
   केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें । अभ्यर्थियों को अनिवार्य प्रश्न संख्या 4 और 5 के अलावा प्रत्येक सेक्शन से कम से कम एक प्रश्न को हल करना है।
3. *Question Nos.1, 2 & 3 from Section 'I' and question Nos.6, 7 & 8 from Section 'II' may be answered either in Sanskrit or in the medium of examination opted by candidate.*
   खंड-I में से प्रश्न संख्या 1, 2 और 3 तथा खंड-II में से प्रश्न संख्या 6, 7 और 8 के उत्तर या तो संस्कृत में या उम्मीदवार द्वारा चुने गए परीक्षा के माध्यम में दिया जा सकता है ।
4. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
5. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
6. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

Section-I
खण्ड-I

1. (a) Explain critically the statement **उपमा कालिदासस्य** with illustration.
   'उपमा कालिदासस्य' इत्युक्तिः सोदाहरणं समीक्ष्यताम्। (10)

(b) Write an essay on 'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्' |

'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्' इति सूक्तिमाश्रित्य एको निबन्धो लिख्यताम् । (10)

2. Describe the dialogue between Sita and Ravana in Sundarakanda of Valmiki Ramayana.
वाल्मीकिरामायणस्य सुन्दरकाण्डे वर्णिते सीतारावणयोः उक्तिप्रत्युक्ती वर्ण्येताम् । (20)

3. Describe the dramatic significance of मृच्छकटिक.

मृच्छकटिक प्रकरणस्य नाट्यवैशिष्ट्यं विविच्यताम् । (20)

4. Write short notes in Sanskrit on the following : (10x2=20)
संस्कृतभाषया अधोलिखितयोः संक्षिप्त टिप्पणी प्रदीयताम्।

(i) नीतिशतकम्

(ii) गीतगोविन्दम्

Section-II
खण्ड-II

5. Explain in Sanskrit any two of the following verses : (10x2=20)
अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** श्लोकयोः संस्कृतेन व्याख्या क्रियताम् :

(क) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा
विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः ।
विशेषतः सर्वविदां समाजे
विभूषणं मौनमपण्डितानाम् ॥

(ख) यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानु पश्यति।
सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विचिकित्सति ॥

(ग) यस्तु विज्ञानवान् भवति युक्तेन मनसा सदा ।
तस्येन्द्रियाणि वश्यानि सदश्वा इव सारथेः ॥

(घ) मन्दप्रख्यायमानेन रूपेण रुचिरप्रभाम्।
पिनद्धा धूमजालेन शिखामिव विभावसोः॥

6. Translate into Hindi or English any two of the following verses : (10x2=20)
अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** श्लोकयोः हिन्दीभाषया अथवा आङ्ग्लभाषया अनुवादो विधीयताम् :

(क) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभिः।

मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः॥

(ख) अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी

त्रयीव नीताङ्गगुणेन विस्तरम् ।

अगाहताष्टादशतां जिगीषया

नवद्वयद्वीपपृथग्जयश्रियाम् ॥

(ग) गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः।

पतत्यधो धाम विसारि सर्वतः किमेतदित्याकुलमीक्षितं जनैः ॥

7. Explain with reference to the context any two of the following : (10x2=20)
अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** प्रसङ्गसन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या क्रियताम् :

(क) कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु ।

(ख) केवलं च निसर्गत एवानुभेयमरत्नालोकच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेय-मतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।

(ग) गुरुवचनमलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य।
इतरस्य तु करिणः इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतर-मुपजनयति।

(घ) प्रदीपः सर्वविद्यानाम् उपायः सर्वकर्मणाम् ।
आश्रयः सर्वधर्माणां शश्वदान्वीक्षिकी मता ॥

8. (a) Examine the following verse with reference to the context : (10)
अधोलिखितस्य सोदाहरणं समीक्षा विधीयताम् :

"काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला"

(b) Explain with reference to the context of the following verse : (10)
अधोलिखितस्य प्रसङ्गसन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या क्रियताम् :

उद्गलितदर्भकवला मृग्यः

परित्यक्तनर्तना मयूराः ।

अपसृतपाण्डुपत्रा

मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः ॥

अथवा

किं त्वं पदैर्मम पदानि विशेषयन्ती

व्यालीव यासि पतगेन्द्रभयाभिभूता।
वेगादहं प्रविसृतः पवनं च रुन्ध्यां
त्वन्निग्रहे तु वरगात्रि न मे प्रयत्नः॥

*****